

This question paper contains 1 printed page.

Roll No. :
Unique Paper Code : 12131202_OC
Name of the Paper : Self-Management in Gita
Name of the Course : B.A. (H), Sanskrit, Core, CBCS
Semester : II
Duration : 3 Hours
Maximum Marks : 75

टिप्पणी:

1. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों के उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
2. इस प्रश्नपत्र में कुल 6 प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अङ्क समान हैं।

Note:

1. Answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.
 2. There are **total 6 questions** in this question paper. **Attempt any 4 questions.** Each question contains equal marks.
-
1. मन की उत्पत्ति तथा स्वरूप का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।
Discuss in detail the origin and nature of Mind.
 2. गीता के अनुसार त्रिविध गुणों को वर्णित करते हुए सात्विक बुद्धि की महत्ता पर प्रकाश डालिए।
Describe the principles of three gunas and explain the importance of Sattvika Buddhi according to Gita.
 3. मानसिक द्वन्द के स्वरूप का वर्णन करते हुए रजो गुण का मूलकारण के रूप में विवेचन कीजिए।
Describe the nature of mental conflicts and discuss the Rajoguna as a main cause of mental conflicts.
 4. "योगः कर्मसु कौशलं" उक्ति को गीता के आलोक में विस्तृत रूप में वर्णित कीजिए।
"Excellence in Action is Yoga" describe in detail of this thought in the context of Gita.
 5. निष्काम कर्मयोग की समीक्षा कीजिए।
Critically examine the desire less action
 6. गीता के अनुसार आत्मप्रबंधन के साधनों का वर्णन कीजिए।
Explain the Instruments of Self-management according to gita.